# अक्ल बड़ी या भैंस

## कहानी से

- **सेठ ने किस रंग में कपड़ा रंगने को कहा?**

उत्तर सेठ ने तो पहले ही सभी रंगों का नाम गिनाकर अवंती को कह दिया कि उसे कोई रंग पसंद नहीं है। अवंती के पास कपड़ा रंगने के लिए किसी भी रंग का नाम नहीं बचा। दरअसल सेठ अवंती के दुकान पर कपड़े की रंगाई के लिए नहीं आया था वरन् उसे परेशान करने के लिए आया था।

- **अवंती ने कपड़ा अलमारी में बंद कर दिया। क्यों?**

उत्तर अवंती सेठ के मंसूबे से अवगत था। उसने उसे सबक सिखाने के लिए उसका कपड़ा अलमारी में बंद कर दिया।

- **सेठ कपड़ा लेने किस दिन आया होगा?**

उत्तर सेठ कपड़ा लेने कभी नहीं आया होगा।

## कौन छुपा है कहाँ

**नीचे के वाक्यों में कुछ हरी-भरी सब्ज़ियों के नाम छुपे हैं। ढूँढो तो ज़रा–**

उत्तर
- अब भागो भी, बारिश होने लगी है।
- मामू लीला मौसी कहाँ है?
- शीला के पास बैग नहीं है।
- रानी बोली–हमसे मत बोलो।
- गोपाल कबूतर उड़ा दो।

उत्तर
- अब भा**गो भी,** बारिश होने लगी है। – गोभी
- **मामू ली**ला मौसी कहाँ है? – मूली
- शीला के पास **बैग न**हीं है। – बैगन
- रानी बोली–हम**से म**त बोलो। – सेम
- गो**पाल क**बूतर उड़ा दो। – पालक

## सही जोड़े मिलाओ

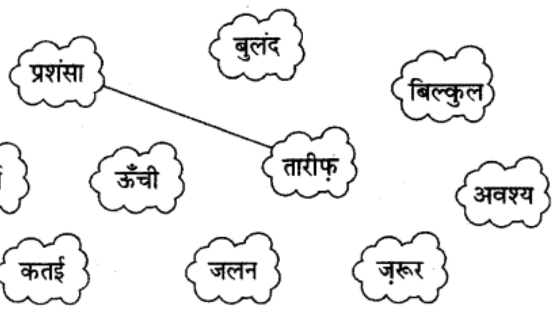


उत्तर
- प्रशंसा – तारीफ़
- कतई – बिल्कुल
- ज़रूर – अवश्य
- बुलंद – ऊँची
- ईर्ष्या – जलन

## मुहावरे

**उत्तर चित्रों को देखो। क्या इन्हें देखकर तुम्हें कुछ मुहावरे या कहावतें याद आती हैं? उन्हें लिखो।**

अँधेरा

<u>चिराग तले</u> **अँधेरा**

आरसी

<u>हाथ कंगन को</u> **आरसी** <u>क्या</u>

आस्तीन

**आस्तीन** <u>का साँप</u>

ग्यारह

<u>नौ दो</u> **ग्यारह** <u>होना</u>।

## कहो कहानी

विद्यालय, गुरुजी, छुट्टी, बंदर, डंडा, पेड़, केला, ताली, बच्चे, भूख। इन शब्दों को पढ़कर तुम्हारे मन में कुछ बातें आई होंगी। इन सब चीज़ों के बारे में एक छोटी-सी कहानी बनाओ और अपने साथियों को सुनाओ।

उत्तर स्वयं करो।

## उछालो

एक रूमाल या कोई छोटा-सा कपड़ा उछालकर देखो। किसका रूमाल सबसे ऊँचा उछलता है?

रूमाल के साथ बिना कुछ बाँधे इसे और ऊँचा कैसे उछाला जा सकता है?

उत्तर स्वयं करो।

## समझ-समझदारी

**रंगाई शब्द रंग से बना है। इसी तरह और शब्द बनाओ–**

उत्तर

| रंग | रंगाई |
|---|---|
| साफ़ | सफ़ाई |
| चढ़ | चढ़ाई |
| बुन | बुनाई |

## क्या समझे

**जिन शब्दों के नीचे रेखा खिंची है, उनका मतलब बताओ–**

जिन शब्दों के नीचे रेखा खिंची है, उनका मतलब बताओ–

उत्तर
- मुझे बैंगनी रंग <u>कतई</u> अच्छा नहीं लगता। — बिल्कुल
- अवंती ने सेठ का <u>मंसूबा</u> भाँप लिया। — इरादा
- मैं तुम्हारा <u>हुनर</u> देखना चाहता हूँ। — गुण, खूबी
- सेठ बुलंद <u>आवाज़</u> में बोला। — स्वर
- सेठ को <u>ईर्ष्या</u> होने लगी। — जलन
- रंग के बारे में मेरी कोई <u>खास</u> पसंद तो है नहीं — विशेष

## कैसा लगा आफ़ंती

**आफ़ंती के बारे में कुछ वाक्य लिखो। तुम उसके कपड़ों, शक्ल-सूरत, पालतू पशु, बुद्धि आदि के बारे में बता सकती हो।**

आफ़ंती बहुत बुद्धिमान था। उसकी शक्ल-सूरत अच्छी थी। वह सिर पर टोपी पहने रहता था। उसके गालों पर बड़ी-बड़ी दाढ़ियाँ थीं। वह दुबला-पतला था। वह एक गधा पाल रखा था। वह अपनी बुद्धि से पहलवान को हराया था।

## जोड़े ढूँढ़ो

*दिन – दीन  मेला – मैला*

**ऊपर दिए गए शब्दों के जोड़ों में केवल एक मात्रा बदली गई है। किसी भी मात्रा को बदलने से अर्थ भी बदल जाता है। ऐसे और जोड़े बनाओ। देखें, कौन सबसे ज़्यादा जोड़े ढूँढ़ पाता है।**

उत्तर

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| अन्न | – | अन्य | रग | – | राग |
| अनिल | – | अनल | पवन | – | पावन |
| इत्र | – | इतर | देव | – | दैव |
| ग्रह | – | गृह | समान | – | सामान |

## कुछ कलाकारी

**कब आऊँ** वाले किस्से को चित्रकथा के रूप में लिखो।

उत्तर स्वयं करो।

## क्या है फ़ालतू

**कभी-कभी हम अपनी बात करते हुए ऐसे शब्द भी बोल देते हैं, जिनकी कोई ज़रूरत नहीं होती। इसी तरह इन वाक्यों में कुछ शब्द फ़ालतू हैं। उन्हें ढूँढ़कर अलग करो–**

- बाज़ार से हरा धनिया पत्ती भी ले आना।
- एक पीला पका पपीता काट लो।
- अरे! रस में इतनी सारी ठंडी बर्फ़ क्यों डाल दी?
- ज़ेबा, बगीचे से दो ताज़े नींबू तोड़ लो।
- बेकार की फ़ालतू बात मत करो।

उत्तर • पत्ती • पीला • ठंडी • ताज़े • फ़ालतू।